*ॐ*

~~~~~~~~~~

***विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।***

***कक्षा-नवम्*** ***विषय- हिन्दी***

***दिनांक-15-01-2021*** ***पाठ्य सहगामी क्रिया***

***卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐***

***मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!***

***आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!***

***एन सी इ आर टी पर आधारित***

## ***मकरसंक्रांति का महत्त्व***

मकरसंक्रांति का त्यौहार हिन्दुओं के प्रमुख त्यौहारों में से एक त्यौहार है यह दिन हिन्दू धर्म में बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है | इस त्यौहार का मनाने का सबसे बड़ा कारण है कि इसी दिन भगवन सूर्य देव ने धनु राशि को छोड़ा था व मकर राशि में प्रवेश किया था | यह त्यौहार पुरे भारत के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है तथा यह दिन हर साल जनवरी माह की चौदह तारीख को पड़ता है|
पूरे भारत और नेपाल में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। पौष मास में यह पर्व मनाया जाता है।। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है।
~~~~~~~~~~

## विभिन्न नाम भारत में

- **मकर संक्रांति (संक्रान्ति) :** छत्तीसगढ़, गोआ, ओड़ीसा, हरियाणा, बिहार, झारखण्ड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, राजस्थान, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल, गुजरात और जम्मू
- **ताइ पोंगल, उझवर तिरुनल :** तमिलनाडु
- **उत्तरायण :** गुजरात, उत्तराखण्ड
- **माघी :** हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब
- **भोगाली बिहु** : असम
- **शिशुर सेंक्रात :** कश्मीर घाटी
- **खिचड़ी :** उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बिहार
- **पौष संक्रान्ति : पश्चिम बंगाल**
- **मकर संक्रमण :** कर्नाटक
- **लोहड़ी** : पंजाब

## विभिन्न नाम भारत के बाहर

- **बांग्लादेश :** पौष संक्रान्ति
- **नेपाल :** माघे संक्रान्ति या 'माघी संक्रान्ति' 'खिचड़ी संक्रान्ति'
- **थाईलैण्ड :** सोंगकरन
- **लाओस:** पि मा लाओ
- **म्यांमार :** थिंयान
- **कम्बोडिया :** मोहा संगक्रान
- **श्री लंका :** उझवर तिरुनल

धन्यवाद

कुमारी पिंकी 'कुसुम'

🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄🎄